सीआरपीएफ का 86वां स्थापना दिवस: वीरता और गौरव की 85 वर्ष की यात्रा का जश्न

सीआरपीएफ ने अपना 86वां "स्थापना दिवस" देश भर के सभी सीआरपीएफ प्रतिष्ठानों में बड़े उत्साह और उल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर केंद्रीय गृह सचिव श्री अजय कुमार भल्ला, केरिपुबल के शौर्य ऑफिसर्स इंस्टीट्यूट, वसंत कुंज, नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे। वीरता पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित करने की परंपरा को ध्यान में रखते हुए, श्री भल्ला ने केरिपुबल के बहादुर जवानों और शहीदों के परिवारों को वीरता पदक प्रदान किए, जिनमें 03 "वीर नारियां" भी शामिल थीं। 27 वीरता पदक पुरस्कार विजेताओं में छत्तीसगढ़ में उनकी बहादुरी के लिए दस, झारखंड में वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ उनकी वीरतापूर्ण कार्रवाई के लिए छह और जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों के खिलाफ वीरतापूर्ण कार्यों के लिए ग्यारह पुरस्कार दिए गए।

इससे पूर्व, डीजी श्री अनीश दयाल सिंह ने सीआरपीएफ के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की और देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले सीआरपीएफ के 2266 बहादुरों को श्रद्धांजलि दी।

अपने संबोधन में, केंद्रीय गृह सचिव श्री अजय कुमार भल्ला ने सीआरपीएफ की बहुमुखी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के बारे में बताते हुए इनके बलिदान और समर्पण के गौरवशाली इतिहास के लिए बल की सराहना की। उन्होंने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद से घाटी में शांति बनाए रखने में सीआरपीएफ की भूमिका और 2024 के आम चुनावों के शांतिपूर्ण संचालन में उनके बहुमूल्य योगदान की सराहना की।

इस अवसर पर, केंद्रीय गृह सचिव श्री भल्ला ने केंद्रीय प्रशिक्षण महाविद्यालय, सीआरपीएफ, नीमच में एक अत्याधुनिक वाहन रिपेयर प्रयोगशाला का ई-उद्घाटन किया। यह अनूठी प्रयोगशाला सीआरपीएफ के मोटर मैकेनिक स्टाफ को नए जमाने के वाहनों (बीएस-VI) की मरम्मत के लिए प्रशिक्षित करेगी, जिससे सीआरपीएफ ऐसी सुविधा स्थापित करने वाला सीएपीएफ में पहला बल बन जाएगा।

केंद्रीय गृह सचिव का स्वागत करते हुए सीआरपीएफ के महानिदेशक श्री अनीश दयाल सिंह ने बल के समृद्ध इतिहास और वीरता को याद किया, उन्होंने 1959 में चीनी सैनिकों के खिलाफ हॉट स्प्रिंग्स की लड़ाई और 1965 में सरदार पोस्ट की लड़ाई का जिक्र किया, जहां सीआरपीएफ की दो कंपनियों ने पाकिस्तानी सेना की एक पूरी ब्रिगेड को खदेड़ दिया साथ ही उनको काफी नुकसान भी पहुंचाया।

महानिदेशक श्री सिंह ने शहीदों के परिवारों से संबंधित मुद्दों को हल करने और अनुकंपा नियुक्ति श्रेणी के तहत उनके परिजनों के लिए भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाने की पहल पर भी चर्चा

की। उन्होंने सीआरपीएफ कर्मियों के बच्चों को मुफ्त सीटें उपलब्ध कराने के लिए शैक्षणिक संस्थानों के साथ हस्ताक्षरित विभिन्न समझौता ज्ञापनों का उल्लेख किया।

1939 में केवल एक बटालियन के साथ नीमच में गठित, सीआरपीएफ देश भर में तैनात 248 बटालियनों के साथ एक विशाल बल बन गया है। बल ने उभरती आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों का सफलतापूर्वक समाधान किया है। सभी सीएपीएफ में सबसे अधिक वीरता पदकों के साथ, सीआरपीएफ क्राउन रिप्रेजेंटेटिव पुलिस से लेकर देश की आंतरिक सुरक्षा के संरक्षक बनने तक की अपनी असाधारण यात्रा का प्रमाण है। बल "सेवा और निष्ठा" के अपने वाक्य के प्रति प्रतिबद्ध है और सभी के विश्वास और समर्थन के लिए राष्ट्र के प्रति आभार व्यक्त करता है।

वीरता पदक अलंकरण समारोह-2024